हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 9 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 24 .6 डिग्री
न्यूनतम 7 .2 डिग्री

12 नए वाटर वर्क्स को अप्रूवल का इंतजार...

12 मनुष्य सुखों की दौड़ में प्रकृति का कर रहा विनाशः बीके

खबर संक्षेप

कसोला पुलिस ने वारंट पर लिया आरोपी

बावल। कसोला थाना पुलिस ने वर्ष 2024 में थाना क्षेत्र में हुई की वारदात के बाद दर्ज मामले में एक आरोपी को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस बीते सप्ताह चोरी के मामले में नूंह के गुवारका निवासी आजाद उर्फ भड़ाना को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने वर्ष 2024 में जिले में चोरी की कई वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की थी। वह तीन दर्जन से अधिक मामलों में लिप्त बताया जा रहा हे। कसोला पुलिस ने उसे 15 जनवरी 2024 को दर्ज चोरी के मामले में प्रोडक्शन वारंट पर लिया है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोपी काबू

बावल। पुलिस ने शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म के आरोप में दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर गत वर्ष 14 नवंबर को हिसार के रावलावास निवासी सुशील के खिलाफ केस दर्ज किया था। महिला ने उस पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पुलिस ने अस्पताल से पीडिता का मेडिकल भी कराया था। तभी से आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया।

मारपीट व धमकी देने के आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर पुलिस ने गत 7 फरवरी को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने कोसली निवासी पुलकित को गिरफ्तार कर लिया।

घर में घुसकर चोरी करने का आरोपी काबू

बावल। पुलिस ने थाना क्षेत्र के एक गांव में बदनीयती से घर में घुसकर चोरी करने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। शिकायत में पीडित पक्ष की ओर से एक गांव निवासी संदीप पर चोरी करने का आरोप लगाया था।

आटे की डिमांड ज्यादा न होने से सरकार ने खड़े किए हाथ

13.60 करोड़ से बनी फ्लोर मिल फाक रही धूल, हैफेड की अनदेखी पड़ रही भारी

- हैफेड की ओर से तीन बार एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट मांगे गए, लेकिन किसी कारोबारी ने मिल में नहीं दिखाई दिलचस्पी

नरेन्द्र वत्स ⏭रेवाड़ी

रेवाड़ी। हैफेड फ्लोर मील में स्थापित लैब।

जाटूसाना में लगभग 13.60 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हैफेड की अत्याधुनिक फ्लोर मिल तैयार होने के बाद इसका शुभारंभ गत वर्ष 24 दिसंबर को कर दिया गया, परंतु इस मिल का संचालन अभी तक शुरू नहीं हुआ है। उच्च क्षमता की इस मिल को हैफेड बाजार में आटे की डिमांड ज्यादा नहीं होने के कारण खुद नहीं चला रही है। संचालन के लिए मिल को लीज पर लेने वाले कारोबारी भी सामने नहीं आ रहे हैं। अगर लंबे समय तक मिल का संचालन शुरू नहीं होता है, तो इससे आधुनिक मशीनरी के खराब होने की आशंका बनी रही है। सहकारी क्षेत्र के उपक्रम हैफेड के पास करनाल के तरावड़ी में फ्लोर मिल है, जिसकी क्षमता प्रतिदिन 20 टन आटा तैयार करने की है। प्रदेश सरकार ने जाटूसाना में लगभग 6 एकड़ जमीन पर 13.60 करोड़ की लागत से जाटूसाना में फ्लोर मिल स्थापित कराई है। इस मिल की क्षमता तरावड़ी के मुकाबले पांच गुणा आटा प्रतिदिन तैयार करने की है। हैफेड ने इस मिल में तैयार गेहूं व मल्टीग्रेन आटे को बाजार में उतारकर हैफेड अपना राजस्व बढ़ा सकता है, परंतु कच्ची घानी तेल की तरह आटे की डिमांड मार्केट में ज्यादा नहीं है। आटे की जितनी डिमांड है, वह तरावड़ी मिल से पूरी हो रही है। ऐसे में इस मिल को खुद चलाने की बजाय हैफेड लीज पर देने पर भी विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार हैफेड की ओर से तीन बार 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' मांगे गए, परंतु किसी भी कारोबारी ने मिल में दिलचस्पी नहीं दिखाई।

बार्ले माल्ट प्लांट ने तोड़ दिया था दम

जिस जगह पर इस मिल का निर्माण किया गया है, वह जगह वर्ष 1988 में बने बार्ले माल्ट प्लांट की ही है। बार्ले माल्टे प्लांट का निर्माण तत्कालीन सीएम चौ. देवीलाल ने कराया था। इस प्लांट में उत्तम क्वालिटी का माल्ट तैयार होता था, परंतु आंतरिक भ्रष्टाचार के चलते यह प्लांट जल्द ही दम तोड़ गया था। प्लांट की मशीनें आज तक वहीं जंग खा रही हैं। अगर इस मिल का संचालन करने में देरी होती है, तो प्लांट की मशीनें खराब होने की आशंका बनी रहेगी।

आटे की टेस्टिंग के लिए आधुनिक लैब

दूसरी मंजिल पर आटा तैयार होने के बाद टेस्टिंग के लिए आधुनिक उपकरणों से लैस लैब भी स्थापित की गई है। इस लैब से लेकर पूरी मिल में सेंसर व अत्याधुनिक उपकरण लगे हुए हैं। अगर आटे की गुणवत्ता में कमी पाई जाती है, तो लैब जांच में तुरंत पता चल जाएगा। इसके लिए बाहर से सैंपलिंग की आवश्यकता नहीं होगी। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर बाजार में सप्लाई नहीं की जाएगी।

मल्टी ग्रेन आटा बनाने की मशीन अलग

- मिल में बाजार की डिमांड को देखते हुए मल्टी ग्रेन आटा तैयार करने के लिए भी अलग से मशीन स्थापित की गई है। इस मशीन में विभिन्न अनाज मिलाकर डालने के बाद पिसाई का प्रोसस गेहूं की तरह ही किया जाएगा। मल्टी ग्रेन यूनिट को पहली मंजिल पर स्थापिता किया गया है। बाजार में डिमांड के अनुसार इस यूनिट को प्रोसिंग में लाया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर इसकी यूनिट बढ़ाई भी जा सकती है।

अत्याधुनिक है फलोर मिल की प्रोसेसिंग

तीन मंजिला भवन में मिल की अलग-अलग प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की गई हैं। हैफेड की यह अत्याधुनिक फ्लोर मिल इतनी अधिक क्षमता की प्रदेश की पहली मिल है। इस मिल के ग्राउंड फ्लोर से गेहू पहले चरण में साफ होकर पहली मंजिल तक हवा के प्रेशर से पाइपों के माध्यम से पहुंचेगा। इसके बाद चार बार गेहू की मशीनों से अच्छी तरह सफाई होगी, ताकि उसके मिट्टी व कंकर के कण नहीं रह पाएं। इसके बाद चक्की में बढ़ी मात्रा में गेहू की पिसाई की जाएगी। मिल में मौजूद सभी मशीनें अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। जिससे काम कम समय में पूरा हो पाएगा।

टेंडर की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद

मिल के संचालन को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है। खुद चलाने या इसे लीज पर देने का निर्णय मुख्यालय को करना है। संचालक को लेकर टेंडर की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है।
- रामकुमार, जीएम, हैफेड।

हड़ताल को लेकर रोडवेज यूनियन की रूपरेखा तैयार

रेवाड़ी। रोडवेज वर्कशॉप में आयोजित बैठक में मौजूद कर्मचारी।

- रोडवेज कर्मचारियों के साथ भेदभाव पूर्ण रवैया अपना रही केंद्र व राज्य सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रविवार को रोडवेज वर्कशॉप में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 12 फरवरी को राष्ट्व्यापी हड़ताल को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। डिपो प्रधान प्रवीण यादव ने बैठक की अध्यक्षता की तथा संचालन रविंद्र झाड़ौदा ने किया। बैठक में में मुख्य वक्ता के तौर पर राज्य उपमहासचिव पवन शर्मा, राज्य उपप्रधान जयकुंवार दहिया, राज्य सचिव नरेंद्र सांगा एवं कार्यालय सचिव सतबीर मुंढाल उपस्थित थे। इस मौके पर कर्मचारी नेता पवन शर्मा, जयकुंवार दहिया, सतबीर मुंढाल व नरेंद्र सांगा ने सरकार से चार मजदूर कानून को रद करने की मांग की। उन्होंने कहा की सरकार रोडवेज कर्मचारियों के साथ भेदभाव पूर्ण रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि सरकार विभाग में निजी बसों को बढ़ावा न देकर रोडवेज में दस हजार नई सरकारी बसें शामिल करें, कर्मशाला सहित सभी खाली पड़े पदों पर शीघ्र पक्की भर्ती करे तथा नई पेंशन स्कीम को रद करके पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार व परिवहन विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ कई दौर कि बातचीत में विभाग के कर्मचारियों की बनाई गई तबादला नीति खामियों पर यूनियन आपत्ति जताते हुए तबादला नीति को रद करने की मांग कर चुकी है। उन्होंने कहा कि चालकों-परिचालकों का आपसी स्थानांतरण किया जाएं और कर्मचारियों को अपने गृह जिले में भेजा जाए। अगर फिर भी सरकार पॉलिसी लागू करना चाहती है तो रोड़वेज कर्मचारी आंदोलन करने पर मजबूर होंगे व ऑनलाइन तबादला नीति का डटकर विरोध करेंगे। मीटिंग में राजपाल यादव, नवीन यादव मौजूद रहे।

मारपीट करने वाले दोषी को एक साल की कैद

- अदालत ने आरोपी विजयपाल पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

कुंड बैरियर स्थित एक सब्जी की दुकान पर काम करने वाले व्यक्ति के साथ मारपीट करने के मामले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंकिता शर्मा की अदालत ने आरोपी गांव मनेठी निवासी विजयपाल को दोषी करार देते हुए एक साल कैद व 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। 18 अक्टूबर 2020 को गांव मनेठी की रहने वाली मीना देवी ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि उसका पति गोपीराम कुंड बैरियर स्थित जैनाबाद निवासी धोलू की दुकान पर काम करता था। सुबह करीब 8 बजे गांव मनेठी निवासी विजयपाल ने बिना किसी कारण उनके पति गोपीराम के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मीना देवी की शिकायत पर मामला दर्ज करके आरोपी विजयपाल को गिरफ्तार कर लिया था। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दायर की।

पेंशन बहाली की मांग पर विधायक को सौंपा ज्ञापन

- नई पेंशन योजना तथा यूनिफाइड पेंशन स्कीम कर्मचारी हितों के प्रतिकूल हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। विधायक लक्ष्मण यादव को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा के राज्य प्रतिनिधि और अखिल भारतीय इंजीनियरिंग फेडरेशन से जुड़े डा. अरविन्द यादव के नेतृत्व तथा जिला प्रधान राजवीर यादव की अध्यक्षता में रविवार को कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने पुरानी पेंशन योजना बहाली की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम विधायक लक्ष्मण यादव को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर डा. अरविंद यादव ने कहा कि नई पेंशन योजना तथा यूनिफाइड पेंशन स्कीम कर्मचारी हितों के प्रतिकूल हैं। इन योजनाओं में पेंशन की कोई गारंटी नहीं है, जबकि कर्मचारियों के वेतन से प्रतिमाह 10 प्रतिशत अंशदान अनिवार्य रूप से काटा जा रहा है। साथ ही शेयर बाजार पर आधारित होने के कारण सेवानिवृत्ति के उपरांत प्राप्त होने वाली राशि में भी अनिश्चितता बनी रहती है। इस अवसर पर हसला जिला प्रधान मनोज मसानी, पंचायती राज इंजीनियरिंग एसोसिएशन के राज्य प्रधान महेन्द्र सिंह यादव, राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला प्रधान धर्मेंद्र यादव, सुनील कुमार, बबरूभान व अशोक कुमार, विजय कुमार व सुनील मौजूद थे।

लाभार्थियों को मिल रहा 10 लाख तक का लोन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

केंद्र सरकार की ओर से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास एवं सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना यानि पीएमएफएमई के अंतर्गत विशेष पहल की गई है। इस योजना के तहत इच्छुक लाभार्थी अपने नए अथवा मौजूदा सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम की स्थापना, विस्तार एवं उन्नयन के लिए आवेदन कर सकते हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को ऋण पूंजी पर 35 प्रतिशत तक कैपिटल सब्सिडी प्रदान की जाती है, जिसकी अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये निर्धारित है। योजना का लाभ नए व मौजूदा निजी तथा समूह आधारित सूक्ष्म उद्यमों को दिया जा रहा है। योजना के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी भारतीय नागरिक पात्र हैं।

भैंस चोरी मामले में दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

- 9 दिसंबर को गांव टूमना से चोरी हुई थी 2 भैंस व 4 कटडी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

कोसली थाना पुलिस ने भैंस चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान यूपी के जिला मेरठ के गांव मदियाई निवासी रमजान उर्फ गोलू व आशिफ उर्फ मोटा के रूप में हुई है। गांव टूमना निवासी आशीष कुमार ने बताया कि 9 दिसम्बर 2025 को अज्ञात व्यक्ति उसके तथा उसके पड़ोसी रिंकू के प्लाट से 2 भैंस व 4 कटडी को चोरी करके ले गए। पुलिस ने दोनो आरोपियों को अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। आरोपियों को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए दो दिन के रिमांड पर लिया है।

यादव सभा के कैंप में 131 लोगों ने कराई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। कैंप में 131 मरीजों को फ्री ओपीडी सेवाएं व दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिया। शिविर के आयोजन में जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, रामसिंह, प्रो. सतीश यादव, गोकल राम का सहयोग रहा।

अवैध हथियार उपलब्ध कराने वाला एक और आरोपी गिरफ्तार

- दो आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर चुकी है पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। सीआईए की गिरफ्त में आरोपी जमशेद।

सीआईए ने अवैध हथियार उपलब्ध कराने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव बेरला निवासी जमशेद के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। 19 मई 2021 को पुलिस को सूचना मिली थी कि सचिन उर्फ मोनू निवासी गांव खरसानकी अवैध हथियार रखता है तथा अवैध पिस्टल लेकर अपने घर के पास मौजूद है। पुलिस पूछताछ में आरोपी सचिन उर्फ मोनू ने बताया कि उसे अवैध हथियार जिला गुरुग्राम के गांव खंडेवला निवासी अमित कुमार ने उपलब्ध कराया था।

जाट समाज ने शिक्षा व खेलों में उपलब्धि पाने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

- समारोह में 162 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में प्रतिभाओं को सम्मानित करते अतिथि।

जाट समाज की ओर से रविवार को जाट धर्मशाला में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं खेलकूद में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सीएम के ओएसडी चौधरी वीरेन्द्र सिंह दहिया बढ़खालसा व विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष डा.वंदना पोपली ने प्रतिभाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जाट समाज के प्रधान सूरत सिंह कटारिया ने की। समारोह 162 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उप प्रधान धनपत सिंह बड़ेसरा, सचिव हंसराज कोच, सह सचिव भरत सिंह नंबरदार, कोषाध्यक्ष अजीत सिंह धनखड़, रण सिंह, सुरजीत पहलवान, हरफूल ठेकेदार, राजसिंह राजित, पूर्व प्रधान चौधरी बलबीर सिंह, एडवोकेट हवासिंह मौजूद रहे।

कुंड मनेठी के बाबा ध्यानदास मंदिर सहित कई जगहों पर हुए सम्मेलन

हिंदू सम्मेलन में लिया 'संगठित हिंदू-संगठित भारत' का संकल्प

> हिंदू ऐसा धर्म है, जो सामाजिक समरसता और समाज को एकसूत्र में पिरोने का संदेश देता है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कुंड में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मौजूद अतिथि।

'संगठित हिंदू-संगठित भारत' के संकल्प को लेकर रविवार को जिले में कई स्थानों पर हिंदू सम्मेलनों का आयोजन हुआ। इन सम्मेलनों में साधु-महात्माओं और प्रबुद्ध लोगों ने हिंदुओं के संगठित होने पर बल दिया। सम्मेलनों में हुए भंडारों में प्रसाद भी वितरित किया गया।

कुंड मनेठी के बाबा ध्यानदास मंदिर में आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए महामंडेलेश्वर रामेश्वर दास ने कहा कि हिंदू ऐसा धर्म है, जो सामाजिक समरसता का पाठ पढ़ाता है। हिंदू धर्म समाज को एकसूत्र में पिरोने का संदेश देता है। यह धर्म किसी तरह के भेदभाव को बढ़ावा देने की बजाय 'जियो और जीने दो' का संदेश देता है। बदलते परिवेश में यह आवश्यक हो गया है कि हिंदू समाज संगठित होकर देश को प्रगति की राह पर आगे ले जाने की दिशा में अपनी भूमिका अदा करे। सम्मेलन में आए साधु-संतों ने भी सम्मेलन में मौजूद लोगों को हिंदू एकता का पाठ पढ़ाया। इस मौके पर साधुओं और आसपास के गांवों के लोगों ने हिस्सा लिया।

धारूहेड़ा में दो घंटे तक चला कार्यक्रम

धारूहेड़ा स्थित ज्योति बाई फुले पार्क में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुभाष जोशी ने की। कार्यक्रम में नपा के वाइस चेयरमैन अजय जांगड़ा, महंत हरिसिंह, देशराज प्रचारक, अजीत, रामनिवास प्रजापत सहित अन्य गणमान्य व्यति उपस्थित रहे। गांव निखरी में मास्टर अजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में मोहर सिंह, सतपाल, संदीप, सुल्तान मास्टर, धर्मपाल मास्टर मौजूद रहे।

हिंदू एकता पर दिया बल

श्रीमद् भागवत सेवा आश्रम दड़ौली में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का नेतृत्व देवेंद्र प्रांत धर्म जागरण कोसली ने किया। जा रहा है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने हिंदू एकता बनाए रखने और देश के लिए संगठित होने पर बल दिया। संगठित होकर ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव होता है।

वक्ताओं ने हिंदू समाज की एकता, सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा, सामाजिक समरसता पर अपने विचार रखे।

दो बच्चों के साथ महिला प्रेमी के साथ हुई फरार

- शिकायतकर्ता ने पत्नी को बहला फुसलाकर ले जाने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

सदर थाना क्षेत्र के एक गांव में रह रही मूल रूप से यूपी निवासी एक महिला अपने दो बच्चों को लेकर प्रेमी के साथ फरार हो गई। पुलिस ने उसके पति की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद महिला व बच्चों की तलाश शुरू कर दी। पटौदी रोड पर एक प्रतिष्ठान में कार्य करने वाले मूल रूप से यूपी निवासी युवक ने पुलिस शिकायत में बताया है कि वह क्षेत्र के एक गांव में किराए के मकान में रहता है। उसकी शादी वर्ष 2019 में हुई थी। उसके एक लड़का और एक लड़की है। लगभग तीन माह पहले उसकी चचेरी बहन के साथ एक युवक उसके घर आया था। इसके बाद उसकी पत्नी ने युवक से फोन पर बात करना शुरू कर दिया। युवक बाद में उसके पीछे भी घर आने लगा। दो दिन पहले उसकी पत्नी दोनों बच्चों के साथ घर से गायब हो गई। उसने युवक पर ही पत्नी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। सदर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूट की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

कहानी

संगीता बैनीवाल

मेरु की बहू

घर के बाहरी हिस्से में एक बैठक है। बैठक का घर के बाहरवाई हिस्से में होने का कारण भी मैं आज तुम्हें जरूर बताऊंगी। क्योंकि आजकल बैठक घर के अंदर होती हैं पर मैं जिस बैठक की बात कर रही हूं, वो उस जमाने की भी याद दिलाती है, जब बैठक घर के बाहर होती थी और केवल पुरुषों के बैठने के काम आती थी। उस जमाने में बैठक घर के बाहर ही होती थी बताना इसलिए भी जरूरी है कि बैठक के बाहर होने के पीछे गांव की एक खास सोच थी, जिसे हम साझी सोच भी कह सकते हैं।

दरअसल, वह हर घर में लागू होती थी। बैठक तो उसका आधुनिक नाम है। यह वह बैठक है जिसमें केवल पुरुष बैठा करते थे। इस बैठक में घर की औरतें नहीं बैठती थी केवल आदमी और लड़के बैठते थे। यदि कोई मेहमान आता था तो वह बैठक में ही बैठता था। परिवार की रजामंदी पर ही वह घर के भीतर दाखिल हो सकता था। हां, अगर किसी मेहमान के साथ कोई औरत या लड़की आई है तो वह घर के अंदर आंगन में चली जाती थी, बिना रोक-टोक के। अगर किसी गरीब के घर में बैठक नहीं है तो अपने आसपास जो भी, जिस भी भाई की बैठक होती थी, अपने मेहमान को वहां बैठा दिया करते थे। इसके लिए उसे बैठक के मालिक से इजाजत लेने की आवश्यकता भी नहीं होती थी, इतना अधिकार तो आपस में समझा जाता था। अब समझ में आई बाहरवाई बैठक। यानी घर के पुरुष और बाहर के पुरुष उनके लिए होती थी यह बैठक। क्योंकि घर की बहू-बेटियों पर किसी की बुरी नजर ना पड़े इसलिए उनके लिए आंगन कोठड़ा कोठड़ी सूपा, बिसाला, दुकड़िया ये सब कमरों के नाम है इनमें कहीं भी किसी भी जगह बैठने की छूट होती थी।

अधिकतर घरों में आंगन भी दो ही होते थे, एक बाहरवाई जिसमें ये बैठक और पशुओं के रहने की जगह और उनके चारे के लिए कमरे बने होते थे। दूसरा एक भीतर आंगन जिसमें बहू बेटियां अपनी सुविधा के अनुसार रहती थी। कोई भी बड़ा-छोटा पुरुष आवाज करके ही आंगन में आता था ताकि बहू-बेटी अपने आप को संभाल ले, अपने कपड़े- वस्त्र इत्यादि ठीक-ठाक कर ले। जिन बहू को घूंघट करना होता था, वह अपना घूंघट कर ले। सभी औरतें संभल जाती तब कोई बड़ी औरत उस पुरुष को आवाज देकर अंदर बुलाती थी। तब तक पुरुष बाहर खड़ा इंतजार करता था। जब तक अंदर से आवाज ना आए, पुरुष अंदर दाखिल नहीं होता था। किसी बुजुर्ग औरत के आवाज लगाने पर कि "भाई कौन है अंदर आ जाओ।" तब पुरुष अंदर दाखिल होता था। यह सब बिलकुल सहज सा ही लगता था। इतना औपचारिक भी नहीं लगता था कि उस जमाने में जो आज सुनने में लग रहा है। कुटुंब का भी बड़े ओहदे का पुरुष आंगन के दरवाजे के पास पहुंच कर पहले खांसने की आवाज करता, जिसे खंगारा करना कहते थे, या किसी बच्चे का नाम जानता हो तो उस बच्चे के नाम से आवाज लगाता। जैसे 'रामसिंह!' आवाज लगाने के बाद इंतजार करता, यदि भीतर से कोई बुलावा आया है, उसकी पहचान हो गयी, तभी कोई बड़ी औरत भीतर आने के लिए कहती थी। इसके पीछे कारण यह भी था कि उस समय संयुक्त परिवार होते थे और संयुक्त परिवार में मनुष्य भी ज्यादा होते थे। उन पुरुषों का कोई गलत सोच का यार-दोस्त भी हो सकता था। इसलिए हर एक के लिए भीतर वाले आंगन में एंट्री नहीं थी, लेकिन इस व्यवस्था का एक विपरीत पक्ष भी था। अब जब कुछ सीधा होता है तो बैलेंस करने के लिए कुछ उल्टा भी जरूरी है। उल्टी बात यह थी कि बहू बहन-बेटियां बैठक में नहीं आ सकती थी, उन्हें इजाजत नहीं थी। वो बैठक में एक-दो शर्तों पर ही एंट्री मार सकती थी। एक तो सुबह के समय झाड़ू लगाने के लिए, दूसरा जब बैठक में कोई पुरुष ना हो। दूसरी एंट्री दोपहर में कभी-कभी मिलती थी क्योंकि दोपहर में अधिकतर पुरुष खेतों में होते थे। जहां जाने पर रोक होती है, वहां जाने का उतना ही अधिक मन करता है।

हां, तो यह मेरे बचपन की वही बैठक है। आज मैं ससुराल से मायके में अपने घर आई हूं। इस समय शाम, गोधूलि वेला का वक्त है। सोचा कि बैठक में गेड़ा मार के आती हूं। यह गेड़ा आजकल वाले गेड़ा से अलग था। उस जमाने का गेड़ा भी बताऊंगी, कभी फुर्सत में। हां, तो मैं बैठक में आ गई हूं। पिता जी, चाचा-ताऊ, भाई उनकी अनुपस्थिति में भी उनके होने का अहसास लेने के लिए। मेरे साथ मेरी मां भी है। बैठक की दीवार पर पिताजी की फोटो टंगी हुई है। फोटो बहुत पुरानी है। बहुत पहले बनवाई हुई। इस फोटो में पिताजी जवान लगते हैं। 20-25 साल पुरानी तो जरूर होगी यह फोटो। इस फोटो पर नजर पड़ी और नजर पढ़ते ही मुझे फोटो से घूंघट सीन ताजा हो गया। सीन ताजा होते ही फिल्म की नायिका मेरु चौकीदार की पत्नी भुज्जी भी यादों में यूं आ टपक पड़ी, जैसे दुछत्ती से पुराने गुड़ का टोपा टपक जाता है। अब जब टपक पड़ी तो सोचा खैर-खबर भी ले ही लूँ।

'माँ !'

'हूँ' मां ने जवाब दिया।

'मेरु चौकीदार की बहू ठीक है?' मैंने पूछा।

'ओह! क्या बताऊं बेटी! वो तो होली के आसपास ही राम को प्यारी हो गई बेचारी।' मां का अफ़सोस भरा जवाब।

'अच्छा! ओह हो...! सच में? यूं कैसे?'

'हां बेटी...! उसको तो इतनी अच्छी तरह उठा के ले ग्या राम। सुबह की चाय पी के बैठी ही थी और बैठी-बैठी ही लुढ़क गई।'

मां उसकी यादों में पहुंच कर बोले जा रही थी। 'मेरु ने बहू-बेटों को आवाज़ लगाई। उन्होंने आकर देखा-संभाला, नब्ज देखी तो पता चला कि वह तो राम के घर पहुंच भी गई।'

मां के द्वारा बताने के लहजे में उसके जाने के दुख के साथ-साथ बिना तकलीफ ठीक-ठाक प्राण देने का सुकून ज्यादा झलक रहा था।

'मेरु की बहू भुज्जी कितनी सीधी थी ना।' अपने मन ही मन कहा मैंने। बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी।

एक बार की बात है, हम घर की सभी महिलाएं दोपहर में बैठक में लगे नए बिजली के पंखे की हवा ले रहीं थी। पंखा नया लगवाया था। सबसे पहले बैठक में ही लगा था। घर में अंदर अभी नहीं लगा था। उस समय पुरुष कोई था नहीं। सभी औरतें अपना काम निपटा कर बैठक में पंखे की हवा का आनंद ले रही थीं। उसी समय मेरु की बहू का आना हुआ। मैडम भुजी ने ये चमत्कार पहली बार देखा था। चलते हुए पंखे की गोल आकृति देख हैरतअंगेज थी कि ये गोल-गोल चीज अपने आप कैसे चल रही है, इसमें हवा कहां से आ रही है। मैं भी जादूगर सम्राट शंकर की फीलिंग लेकर पंखे का स्विच कभी ऑफ करती और कभी ऑन करती हुई भुज्जी की तरफ देख रही थी। उसके चेहरे पर आए अचंभित भावों को देखकर खुश हो रही थी। उसे समझाने की भी कोशिश कर रही थी कि यह चीज गोल नहीं है, स्विच ऑफ करके दिखाना चाह रही थी। इस पर वह और ज्यादा अचंभित हो गई, कहने लगी कि फिर यह गोल कैसे दिख रही थी। मेरे पिताजी साहूकार के घर पंखा झलने के लिए जाया करते थे। उस पंखे की तो लंबी झालर होती थी।

अब मैं मेरु की बहू की अचंभित बातों से बोर सी भी होने लगी थी। पंखे से नजर हटते ही मेरु की बहू की नजर पिताजी की फोटो पर पड़ी और नजर पड़ते ही वह सकपका गई। बस फिर क्या था। मुझे सुनहरी मौका मिल गया था, उसे सताने के लिए। मैंने झट सवाल किया।

'मेरु की बहू।'

'हाँ री ननद।' भुजी ने मेरी तरफ देखकर कहा।

'तुम अपने चाचा ससुर की फोटो के आगे बिना घुंघट के.....?'

मैंने बनावटी गुस्सा दिखाते हुए अपनी बात चालू रखी। 'आने दे शाम को पिताजी को.....। जरूर बताऊंगी। जरूर बताऊंगी कि तुम्हारी चौकीदारनी तो शहर की मेम बन गई है, घूंघट करना अब इसके बस का नहीं है।'

इतना सुनते ही मेरु की बहू ने झट घूंघट कर लिया पिताजी की फोटो से। और मुझसे मिन्नत करने लगी 'री ननद, हाथ जोड़ विनती करूं हूं। देखोए ये बात नंबरदार जी को नहीं बताना। मेरा भरी पंचायत में मजाक बन जाएगा और चौकीदार तो हर रोज मुझे ताने देगा, सो अलग। मैंने तो नंबरदार जी की फोटो देखी ही नहीं थी, अगर देखी होती तो क्या मैं ऐसा काम करती। री, नंद अबकी बार बचा ले।'

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

आज बैठक में खड़ी, मेरे अंदर यादों के ये सब चलचित्र बारी-बारी से आते गए और जाते गए आंसुओं से धुंधला भी रहे थे। गला भर आया। अब मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया बैठक में। आंखों से पानी बह रहा था, गला भर गया था। अकेली मेरु की बहू खड़ी थी मेरे सामने। मैं बस इतना ही कह पाई।

'कुछ साल तो और रुक जाती मेरु की बहू...! बैरन....! इतनी क्यों जल्दी मचाई जाने की?

गीत

प्रीति पाठक 'प्रीति'

शिव आराधना

देवों के हैं देव महादेव शिव शंकर
नाम है अनेक जिसमें इक है गंगाधर
शिव अनुकम्पा से जीवन होगा बेहतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव औघड़, आशुतोष, गृहस्थ, महायोगी
त्यागी और तपस्वी हैं हमारे शिव वियोगी
शिव महिमा को बिल्कुल न समझो तुम कमतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव ज्ञान के वेद रामायण के प्रणेता
मानव के आदर्श शिव हैं रक्षक देवता
भक्तजनों की वेदना लेते शिव हैं हर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव संगीत के स्वर हैं शिव स्मृति उत्सव
शिव गौरव हैं प्रेम के दुष्टों के भैरव
शिव आराधना से मिले मोक्ष का अवसर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

कविता

सपना

एक पल

एक पल जो सिर्फ मेरा हो।
एक पल जिसमें ख़ुद से मिलना हो ।।
एक पल जिसमें ज़िम्मेदारी न हो किसी रिश्ते की।
एक पल जिसमें जवाबदेही न हो आठों पहर की ।।
एक पल जिसमें मेरे होने का एहसास हो।
एक पल जिसमें शब्दों की जरूरत न हो ।।
एक पल जो एक कप चाय में शक्कर की तरह घुल जाए।
एक पाल जो पूरे दिन का आधार बन जाए ।।
एक पल जिसमें दिन भर की थकान बातों से पिघल जाए।
एक पल जिसमें बिन सवाल हर जवाब मिल जाए ।।
एक पल जिसमें हँसते हुए डर न लगे।
एक पल जिसमें जीवन संघर्ष न लगे।।
एक पल..
सि र्फ एक पल ..जो सिर्फ मेरा हो ।।

कविता

मनीषा मंजरी

प्रदर्शन का युग

प्रदर्शित पीड़ा हीं अब समझ आएगी,
निःशब्द चीखें ना किसी को लुभाएगी।

युग प्रदर्शन का, विचित्रता का पर्याय बना,
अश्लीलता, इस सभ्यता की पहचान चुराएगी।

दयनीयता अब आँखों को कहाँ रुलायेगी,
पथ की हर ठोकर, मनोरंजन का विषय कहलाएगी।

निजता - शालीनता, अदृश्यता की सार्थकता को पाएगी,
आडम्बर, मूर्छित व्यक्तित्व की चिताएं सजायेगी।

परनिंदा, दिनचर्या का हिस्सा बन जायेगी,
निर्णयात्मकता की कटार, बस स्वयं को बचाएगी।

हर क्षण की कहानियां, परदों पर छाएगी,
सहायता को बढ़ेंगे हाथ नहीं, बस टिप्पणियां लिखी जाएंगी।

इस संवेदनशून्यता की नींद, क्या कभी खुल पाएगी,
या मृत अस्तित्व के बाजार में, हर चेतना लूटी जायेगी।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

लघु कथा

डा. मधुकांत

एक नई उड़ान

हरियाणा के एक छोटे से कस्बे में सूरज की पहली किरण अभी खिड़की से अंदर आई ही थी कि भतेरी के घर में चहल-पहल शुरू हो गई। सुमेर प्रतिदिन की भांति अपने पुराने ऑटो के पास पहुँचा। जैसे ही उसने ऑटो स्टार्ट करने के लिए हैंडल खींचा, भतेरी रसोई से ताज़ा बनी रोटियों का लंच बॉक्स लेकर दौड़ती हुई आई। उसने इठलाते हुए और चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान के साथ सुमेर को डब्बा पकड़ाया। 'आज शाम को ज़रा घर जल्दी आ जाना,' उसने धीमे से कहा। सुमेर ने माथे पर बल देते हुए पूछा, 'क्यों भाई? आज क्या खास बात है? क्या फिर से कोई पड़ोस की पंचायत है?'

भतेरी ने बनावटी गुस्से में अपना हाथ कमर पर रखा और बोली, 'आपको तो कुछ याद रहता नहीं! आज हमारी शादी की पहली सालगिरह है। पिछले साल इसी दिन मैं इस घर में आई थी।' सुमेर का चेहरा थोड़ा उतर गया। वह दिल का बुरा नहीं था, लेकिन उसे शाम को दोस्तों के साथ बैठकर शराब पीने की लत थी। उसने ईमानदारी से कहा, 'देखो भतेरी, जल्दी आ गया तो घर में क्लेश ही होगा। तुम्हें मेरा पीना पसंद नहीं और मैं अभी इसे छोड़ नहीं सकता। फिर सालगिरह का मज़ा तो किरकिरा हो जाएगा ना?'

भतेरी ने एक गहरी साँस ली। वह सुमेर को बदलना चाहती थी, पर लड़कर नहीं, बल्कि प्यार से। उसने सुझाव दिया, 'आप आज बाहर मत रुकना। आप घर पर बैठकर ही अपना खाना-पीना करना। कम से कम मुझे आपकी सुरक्षा की चिंता तो नहीं रहेगी। सड़क पर नशे में ऑटो चलाना ठीक नहीं है।'

सुमेर की आँखें चमक उठीं। उसे लगा जैसे उसे अपनी पसंद की चीज़ के लिए लाइसेंस मिल गया हो। वह खिलखिलाकर बोला, 'अरे वाह मेरी धन्नो! आज तो मज़ा आ गया। तू तो बड़ी समझदार निकली।' सुमेर जब भी भतेरी से बहुत खुश होता या जिस दिन उसकी अच्छी कमाई होती, वह उसे प्यार से 'धन्नो' पुकारता था। भतेरी का नाम उसकी दादी ने रखा था। वह अपने माता-पिता की तीसरी बेटी थी। दादी को पोते की प्रबल चाहत थी, इसलिए जब तीसरी बार भी लड़की हुई, तो उन्होंने खीझकर उसका नाम 'भतेरी' रख दिया, जिसका अर्थ था—'अब बहुत हुई, और नहीं चाहिए।' बाद में जब घर में छोटा भाई पैदा हुआ, तो तीनों बहनों का जीवन जैसे सहायक जैसा हो गया। भतेरी ने पढ़ाई तो की, लेकिन उसका अधिकांश समय भाई के डायपर बदलने और उसे खिलाने में बीतता। स्कूल के दिनों में वह साइकिल चलाने में बहुत माहिर थी; वह लड़कों को भी पीछे छोड़ देती थी। लेकिन समाज की बेड़ियों ने उसे रसोई तक सीमित कर दिया। शादी के बाद जब वह सुमेर के घर आई, तो उसने देखा कि सुमेर के पास कमाई का साधन सिर्फ एक पुराना ऑटो है। एक रात सुमेर भारी नशे में था। उसे सवारियाँ छोड़नी थी, लेकिन उसकी आँखें मुंद रही थीं। उसने मज़ाक-मज़ाक में भतेरी को स्टेयरिंग पर बैठने को कहा।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

एक दोपहर सुमेर को तेज़ बुखार था। तभी पड़ोस के घर से चीखने की आवाज़ें आईं। पड़ोस की महिला को प्रसव पीड़ा हो रही थी और कोई वाहन उपलब्ध नहीं था। एम्बुलेंस आने में वक्त था। भतेरी ने बिना देर किए सुमेर के ऑटो की चाबी उठाई और उन सबको अस्पताल पहुँचाया। उस दिन कस्बे के लोगों ने उसे एक नया नाम दिया-'गुलाबो'। उसकी फुर्ती और मददगार स्वभाव ने सबका दिल जीत लिया। धीरे-धीरे गुलाबो ने तय किया कि वह घर बैठने के बजाय सुमेर का हाथ बँटाएगी। उसने अकेले ऑटो लेकर निकलना शुरू कर दिया। पहले ही दिन जब वह शाम को घर लौटी, तो उसके पल्ले में 500 रुपये बँधे थे। सुमेर हैरान था। गुलाबो की यह पहली स्वतंत्र कमाई थी। एक महिला को ऑटो चलाते देखना शहर के लिए नई बात थी। स्थानीय पत्रकारों ने गुलाबो के संघर्ष और उसकी हिम्मत की कहानी फोटो के साथ अखबार में छाप दी। शीर्षक था- 'सपनों को मिला गियरः शहर की पहली महिला ऑटो चालक।' यह खबर 'स्त्री शक्ति संगठन' तक पहुँची। संगठन की अध्यक्ष ने गुलाबो से मुलाकात की और उसकी आर्थिक स्थिति को समझा। उन्होंने बैंक से बात करके बहुत ही कम ब्याज दर पर गुलाबो को एक नया ऑटो दिलाने में मदद की। संयोग से, वह ऑटो कंपनी महिलाओं के लिए विशेष रूप से गुलाबी रंग के ऑटो बना रही थी, जिनमें सुरक्षा के लिए जीपीएस और पैनिक बटन भी थे। जब गुलाबी ऑटो शहर की सड़कों पर उतरा, तो वह आकर्षण का केंद्र बन गया। महिला यात्री, कॉलेज जाने वाली लड़कियाँ और बुजुर्ग महिलाएँ अब गुलाबो के ऑटो का इंतज़ार करने लगीं क्योंकि वे उसमें खुद को सुरक्षित महसूस करती थीं।

गुलाबो की सफलता देखकर कस्बे की अन्य पाँच महिलाएँ भी उसके पास आईं। वे भी आत्मनिर्भर बनना चाहती थीं। गुलाबो ने उन्हें न केवल ऑटो चलाना सिखाया, बल्कि उन्हें बैंक से लोन दिलाने में भी मदद की। अब शहर में 'गुलाबी ऑटो' की एक पूरी फौज थी। सुमेर अब अपने पुराने ऑटो से काम करता था और गुलाबो अपने नए गुलाबी ऑटो से। दोनों की संयुक्त आय से घर की आर्थिक स्थिति सुधर गई। फूस के छप्पर की जगह पक्का कमरा बन गया। सबसे बड़ा बदलाव सुमेर में आया। अपनी पत्नी की मेहनत और समाज में उसकी इज़्ज़त देखकर सुमेर का सिर गर्व से ऊँचा हो गया। उसे अहसास हुआ कि जिस शराब के पीछे वह अपनी कमाई लुटाता था, वह उनके सुखद भविष्य में बाधा है। अब वह शाम को बाहर नहीं रुकता था। वह घर आकर गुलाबो के साथ बैठकर दिनभर की बातें करता। गुलाबो ने उसे पूरी तरह शराब छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया, बल्कि प्यार से उसे 'सीमित' कर दिया। वह कहती, 'आज ज्यादा थक गए हो, तो बस थोड़ी सी घर पर ही ले लो।'

धीरे-धीरे सुमेर को अहसास हुआ कि उसे शराब से ज्यादा खुशी अपनी पत्नी के साथ हँसने-बोलने में मिलती है। भतेरी, जिसका नाम 'बहुत हुई' के नकारात्मक भाव से रखा गया था, आज पूरे शहर के लिए 'मिसाल' बन चुकी थी। उसने साबित कर दिया कि एक महिला अगर ठान ले, तो वह न केवल अपना भाग्य बदल सकती है, बल्कि अपने जीवनसाथी को भी सही राह पर ला सकती है। आज जब भी कोई गुलाबी ऑटो सड़क से गुज़रता है, तो वह केवल एक वाहन नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दौड़ती-भागती गौरव गाथा नज़र आता है।

स्वतंत्रता संग्राम की गुमनाम वीरांगना : नीरा आर्य

पुस्तक : नीरा आर्य : अद्भुत वीरांगना
लेखक : प्रोफेसर एम एम जुनेजा
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : मॉडर्न पब्लिशर, जीरकपुर

पुस्तक समीक्षा

डॉ. विजेंद्र कुमार

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अनेक गुमनाम नायकों के अद्भुत शौर्य व बलिदान की अनेक कहानियां अभी भी आलोक की प्रतीक्षा कर रही हैं। जो समाज अपने इतिहास को याद नहीं रखता, वह धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। प्रोफेसर एम.एम. जुनेजा एक ऐसी मशाल हैं जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम अनमोल रत्नों को आलोकित करने के लिए निरंतर प्रज्वलमान हैं। स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के प्रति उनके हृदय में जो सम्मान है वह उनकी लेखनी से अवतरित होता है। वे अब तक 3 दर्जन ऐतिहासिक शोध ग्रंथ समाज को विशेषकर युवा पीढ़ी को समर्पित कर चुके हैं। इन शोधग्रंथों में से 24 कृतियां स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को समर्पित हैं। डॉ. जुनेजा द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक और गुमनाम वीरांगना नीरा आर्य पर यह पुस्तक उन्होंने अंडमान निकोबार के आदिवासियों को समर्पित की है। यह पुस्तक उत्तरप्रदेश के खेकड़ा गांव में एक किसान परिवार में जन्मी नीरा आर्य के स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत योगदान पर केंद्रित है। विद्वान लेखक ने बड़े शोध-पूर्ण ढंग से प्रतिपादित किया है कि मात्र 9 वर्ष की आयु में अनाथ हुई नीरा ने किस तरह आज़ाद हिंद फौज के माध्यम से अंग्रेजों से संघर्ष में अपना जीवन समर्पित कर दिया। तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था को रेखांकित करते हुए लेखक ने बताया कि नीरा के माता-पिता की बीमारी के दौरान गांव के साहूकार से कर्ज लेने तथा उनके माता-पिता के निधन के बाद किस तरह साहूकार द्वारा कर्ज के बदले उनकी पैतृक संपत्ति कुर्क करके उसके घर पर भी कब्जा कर लिया गया। मात्र 8-9 वर्ष की आयु में वह अबोध बालिका व उसका भाई अनाथ होकर सड़क पर आ गये थे। उस समय के दानवीर व समाजसेवी सेठ छाजूराम ने नीरा व उसके भाई को गोद ले लिया। आजादी के संघर्ष के महान नायकों पर लिखी पुस्तकों की भांति डॉक्टर जुनेजा की यह पुस्तक भी युवा पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रेरणादाई है। एक और गुमनाम वीरांगना की शौर्य गाथा को प्रस्तुत करने के लिए डॉक्टर जुनेजा आभारी हैं। डॉक्टर जुनेजा की अन्य पुस्तकों की तरह ही यह पुस्तक भी संग्रहणीय है।

खबर संक्षेप

14 को होगा श्रीश्याम फाल्गुन महोत्सव

कनीना। कनीना की पुरानी अनाज मंडी में आगामी 14 फरवरी को 12वें श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्रीश्याम मित्र मंडल की ओर से आयोजित इस समारोह में गायक कलाकार श्री श्याम बाबा के भजनों की प्रस्तुति देगें। मंडल के प्रधान अनिल गुप्ता ने बताया कि इस समारोह की तैयारियां पूरी की जा रही है। महोत्सव के उपरांत 22 फरवरी को 11वी निशान पद एवं शोभा यात्रा शुरू होगी, जो हुड़िया जैतपुर के लिए रवाना होगी।

विराट हिंदू सम्मेलन में एकता पर दिया जोर

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव तिगरा में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि रामअवतार एवं आचार्य नीरज रहें। इस कार्यक्रम में हिंदूओं की एकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि समाज में आपसी सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने जागरूक, संस्कारवान और संगठित समाज बनाने पर जोर दिया।हिंदू समाज में संगठन और एकता बनाए रखना समाज की मजबूती के लिए जरूरी है।

अटेली में हुई बसपा की समीक्षा बैठक

मंडी अटेली। बहुजन समाज पार्टी के लोकसभा इंचार्ज पवन ठाकुर अटेली पहुंचकर पार्टी की संगठन समीक्षा बैठक में शामिल हुए। बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष रूप से चर्चा की गई तथा प्रत्येक बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान लोकसभा इंचार्ज पवन ठाकुर ने कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में जिले की चारों विधानसभाओं में बड़े कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की जा रही है।बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार एवं जनसंपर्क अभियान को तेज करने का आह्वान किया।

12 गांवों की बदलेगी सूरत, चमकेंगी गलियां व सड़कें

ग्रांट मंजूर, जिले के विभिन्न गांवों में 1.35 करोड़ से होंगे विकास कार्य

सांसद की पैरवी से हरियाणा ग्रामीण विकास फंड से मंजूर हुई ग्रांट

महेंद्रगढ़। गांव पाली में यहां बनेगा शहीद स्मारक। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

जिले के 12 गांवों में 1.35 करोड़ रुपये की राशि से विभिन्न विकास कार्य करवाए जाएंगे। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि सांसद धर्मबीर सिंह की पैरवी पर हरियाणा ग्रामीण विकास निधि से ये राशि मंजूर की गई है। इन गांवों की पंचायतों ने सांसद से इन विकास कार्यों की मांग की थी। सांसद ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव रमेश कुमार खुल्लर से इन कार्यों को सिरे चढ़ाने के हरियाणा ग्रामीण विकास निधि से ग्रांट जारी करने के लिए पत्र लिखकर इन कार्यों को जल्द-से-जल्द सिरे चढ़ाने की बात कही थी। पंचायती राज विभाग द्वारा इनके ऐस्टिमेट बनाकर मुख्यालय भेजे गए थे। इसके उपरांत मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव ने इनके लिए बजट जारी करने बारे मंजूरी दे दी है। गांव पाली के शहीद स्मारक में भी एक बड़े हाल का निर्माण करवाया जाएगा। पाली के सरपंच देसराज फौजी एवं बाबा जयरामदास भूतपूर्व सैनिक संगठन के पूर्व अध्यक्ष रिटायर्ड सूबेदार रामकिशन के नेतृत्व में शहीद स्मारक के निर्माण के लिए सांसद से लगातार संपर्क बनाया हुआ था। अब इसके भी निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इससे बनने से आने वाले समय में लोगों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र होगा। शहीद स्मारक पर जाकर युवा शहीदों के बारे में जानकारी लें सकेंगे। इससे युवा पीढ़ी को भी सेनानियों की बहादुरी के संबंध में जानकारी मिल सकेगी।

इन गांवों में होंगे विकास कार्य:

गांव	कार्य	लागत
गुवानी	स्टेडियम में टीन शेड निर्माण	11 लाख रुपये
सिहोर	जिम हाल का निर्माण	11.57 लाख रुपये
जाट	पंचायती भूमि पर टीनशैड निर्माण	15.84 लाख रुपये
बिहाली	चौपाल में टीनशैड निर्माण	18.1 लाख रुपये
सोहड़ी	राजपूत चौपाल का निर्माण	13 लाख रुपये
नावदी	बाबा मुरलीदास धर्मशाला का निर्माण	9.99 लाख रुपये
गहली	बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण	3.75 लाख रुपये
पाली	शहीद स्मारक में हाल का निर्माण	20.92 लाख रुपये
शोभापुर	गोशाला में टीनशैड निर्माण	4.82 लाख रुपये
अटेली	खेल स्टेडियम में हाल का निर्माण	10 लाख रुपये
खातीवास	बाबा लटुरिया मंदिर के पास टीनशैड निर्माण	11 लाख रुपये
मुंडिया खेड़ा	एससी चौपाल में शौचालय निर्माण एवं टाइल	4.99 लाख रुपये

नारनौल। मुख्य व्याख्यानकर्ता को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

एनएसएस शिविर के दूसरे दिन की शुरूआत योगा से हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राजकीय महिला महाविद्यालय की ओर से राजकीय प्राथमिक पाठशाला रघुनाथपुरा में आयोजित एनएसएस शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत योगाभ्यास से की गई। कार्यक्रम के मुख्य व्याख्यानकर्ता डॉ. हंसराज डीपीई एवं मुकेश डीपीई रहे, जिन्होंने अपने संबोधन में बच्चों को खेलकूद के महत्व एवं पौष्टिक आहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके उपरांत बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष रूप से 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खेल भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम के अगले चरण में नशा मुक्ति पर जागरूकता रैली निकाली गई, जिसके माध्यम से समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। शाम के सत्र में डॉ. बबीता द्वारा बच्चों को ओरल हेल्थ (मुख स्वास्थ्य) के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इसी सत्र में भाषण (स्पीच) प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने विभिन्न सामाजिक एवं स्वास्थ्य विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

गोपाल गोशाला में सेवा संस्थान ने गायों के लिए बनाई सवामणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। गायों की सवामणी के लिए जुटाई सामग्री के साथ गोभक्त। फोटो: हरिभूमि

श्री गौ गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान (रजि.) के तत्वाधान एवं आचार्य बजरंग शास्त्री की देखरेख में रेवाड़ी रोड स्थित श्री गोपाल गोशाला में संस्थान के सभी सदस्यों द्वारा सवामणि का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वप्रथम पं. मनीष निर्मल शास्त्री ने राजेंद्र गुप्ता मंजू गुप्ता, प्रदीप संघी रेखा संघी एवं संस्था के सभी सदस्यों द्वारा गौ पूजन करवाया। इसके उपरांत गऊओं को हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल व नमक आदि मिलाकर सवामणि तैयार कर गऊओं को खिलाई गई।

इस अवसर पर उपप्रधान सुरेश शर्मा ने बताया कि गाय के शरीर में सभी देवताओं का वास होता है और गाय की सेवा करने से मनुष्य के सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। आचार्य पं बजरंग शास्त्री ने बताया कि पौराणिक कथाओं के अनुसार देवताओं और असुरों के बीच हुए समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों में से एक कामधेनु गाय थी। इस अवसर पर मुख्य रूप से संस्था के प्रदीप संघी, राजेंद्र गुप्ता, सुमित अग्रवाल, विनोद सोनी, सोमदेव शर्मा, राकेश बंसल, संजय सैनी, मनिंदर सैनी, अशोक सैनी, मनमोहन शर्मा,पंजाब रतन, मंजू गुप्ता, सरिता जैन, मंजू भालोठिया, पूजा शर्मा आदि रहे।

राधे नाम की गूंज से सराबोर हुई नगरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। शहर में प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

श्रीराधा कृष्ण व प्रेमानंद महाराज की प्रेरणा से धार्मिक संस्था राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन की ओर से रविवार को 160वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी का शुभारंभ प्रातः सात बजे मौहल्ला मीराजी पुल बाजार स्थित ठाकुरजी की आरती के साथ किया गया।

प्रभात फेरी के यजमान नीरज सिंघल उर्फ रिंकू दूधवाला द्वारा सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों और मंजीरों की मधुर थाप पर सैकड़ों की संख्या में पहुंचे बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, पुरुष एवं युवा श्रद्धालु राधे-राधे का जयघोष करते हुए प्रभात फेरी में शामिल हुए।

प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर पुल बाजार व मीराजी क्षेत्र में परिक्रमा करते हुए पुनः प्रारंभ स्थल पर संपन्न हुई। परिक्रमा मार्ग में श्रद्धालुओं ने एक स्वर में राधे नाम का जाप किया। इस दौरान ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन और बरसाना की कुंज गलियां नारनौल में साकार हो उठी हों। पूरा वातावरण भक्ति, प्रेम, शांति और आनंद से सराबोर नजर आया। अगली प्रभात फेरी किशन गांधी पुत्र स्वर्गीय मास्टर आनंद सिंह गांधी के निवास स्थान पुल बाजार पर आयोजित की जाएगी। प्रभात फेरी के यजमान नीरज बंसल ने अपनी शादी की वर्षगांठ के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

11 को होगी हरियाणा सुपर 100 बैच 2026-28 लेवल 1 की परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सुपर 100 हरियाणा सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग प्रदान करना है ताकि वे जेईई, आईआईटी और एनईईटी (नीट) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। इसके अलावा योजना छात्रों को मुफ्त बोर्डिंग सुविधा भी प्रदान करती है। सुपर 100 स्तर 1 के लिए प्रवेश परीक्षा 11 फरवरी को दोपहर 12:30 से 2:30 बजे के बीच जिले के पांच केन्द्रों में आयोजित होगी। जिले के राजकीय विद्यालयों में दसवीं कक्षा में पढ़ रहे 1377 पंजीकृत विद्यार्थियों यह परीक्षा देंगे। परीक्षा में कुल 50 प्रश्न पूछे जायेंगे तथा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक की नेगेटिव मार्किंग की जाएगी। प्रश्न पत्र में गणित विषय से प्रश्न पूछे जाएंगे। जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविन्द्र कुमार ने बताया कि सुपर-100 बैच 2026-28 लेवल-1 की परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों की लेवल 2 की परीक्षा कुरुक्षेत्र में होगी और उसमे चयनित विद्यार्थियों को हरियाणा सरकार द्वारा इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुफ्त आवासीय कोचिंग दी जाएगी।

यहां होगी परीक्षा

अटेली में राजकीय माडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल अटेली में 284, नांगल चौधरी में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी में 260, नारनौल में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारनौल में 217, महेन्द्रगढ़ में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महेंद्रगढ़ में 361 और कनीना में राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना परीक्षा केंद्र में 255 विद्यार्थियों यह परीक्षा देंगे।

कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय चैंपियन साहिल यादव ने युवाओं को नशे से दूर रहने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ओएसिस विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय वेट लिफ्टर चैंपियन साहिल यादव ने बच्चों को खेलों और अपने कर्तव्यों के प्रति प्रेरणा प्रदान करने हेतु पारितोषिक समारोह में शिरकत की। बता दें कि गोद बलाहा के पास गणेशपुरा के साहिल यादव ने 12वीं कक्षा 2022 में ओएसिस इंटरनेशनल स्कूल नारनौल से उत्तीर्ण की थी। उसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए जयपुर चले गए और वहां वेट लिफ्टर की अलग–अलग प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लेते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे।

मुख्य अतिथि साहिल यादव ने ओएसिस इंटरनेशनल में मुख्य अतिथि के तौर पर बच्चों को मैडल प्रदान किए। विद्यालय की तरफ से आज कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों को अलग–अलग खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मेडल दिए जाने का कार्यक्रम रखा गया था। उन्होंने कहा कि आपको जो भी कुछ करना है, वो खुद ही करना पड़ेगा। यदि अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी से मेहनत करोगे तो एक दिन अवश्य ही सफलता मिलेगी। यदि अपना मुकाम हासिल करना है तो नशे व गलत आदतों से दूर रहना होगा।

विद्यालय प्रबंधन की तरफ से साहिल के दादा बुधराम और साहिल के पिता जितेंद्र कुमार उर्फ बिट्टू को सम्मान स्वरूप यादगार चिह्न देकर सम्मानित किया। विद्यालय की तरफ से साहिल यादव को प्रतिभा सम्मान के स्मृति चिह्न के साथ 21 हजार रुपये नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। साथ में इस वर्ष फ्रांस में आयोजित होने वाली प्रतिस्पर्धा के लिए शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल में 12 को इंटक भी लेगी हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन रजिस्ट्रेशन नंबर एक संबंधित इंटक के राज्य महासचिव दिनेश हुड्डा, राज्य उप प्रधान संदीप दलाल, बलवान, विजय अहलावत, शिवचरण, सतेंद्र व अरविन्द ने संयुक्त बयान जारी किया है। वह देश की सभी बड़ी केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों व सैंकड़ों फेडरेशनों व क्षेत्रीय यूनियनों ने 12 फरवरी 2026 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल करने का निर्णय लिया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने इस हड़ताल को भरपूर समर्थन देने का निर्णय लिया है। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन रजिस्ट्रेशन नंबर 1 (इंटक) के नारनौल डिपो प्रधान हंसराज यादव ने बताया कि इंटक हरियाणा एवं हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन रजि. नं. 1 (आईएनटीयूसी) ने इन मांग-मुद्दों से सहमति रखते हुए रोडवेज कर्मचारियों के हित में इस आंदोलन में शामिल होने का निर्णय लिया है।

हाईकोर्ट के निर्णय को माना न्यायोचित

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने भी पद सृजन एवं कर्मचारियों को नियमित करने के संघर्ष की दिशा को न्यायोचित माना है। इसके बावजूद सरकार द्वारा सार्वजनिक विभागों को संकुचित करने व पद समाप्त करने, कर्मचारियों को कच्चा रखने, पेंशन से वंचित रखने, नियमों के अनुसार पक्की भर्ती न करने, रोडवेज का निजीकरण करने व चिकित्सा सुविधाओं में आय आधारित शर्तें लागू करने, हरियाणा का अलग से आठवां वेतन आयोग गठन करने तथा चालक- परिचालकों का वेतनमान बढ़ाने बारे संज्ञान ना लेने, कर्मचारियों के देय अर्जित अवकाश को कम करने व 10 साल का बोनस पेंडिंग रखने व रोडवेज में इलेक्ट्रिक बसों के बहाने किलोमीटर स्कीम की बसों को बढ़ाने का आरोप लगाया।

उठी समस्याएं शहर में ओवर फ्लो सीवर की समस्या को बताया गंभीर, लोगों को बीमारियां फैलने का सता रहा डर

वरिष्ठ नागरिकों ने मासिक बैठक में उठाए शहर के ज्वलंत मुद्दे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। मासिक बैठक को संबोधित करते प्रधान दुलीचंद शर्मा। फोटो: हरिभूमि

किला रोड स्थित वरिष्ठ नागरिक संगठन कार्यालय में संगठन की मासिक मीटिंग संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मीटिंग में सर्वप्रथम परम्परानुसार जन्मदिन वाले वरिष्ठ नागरिकों चेतन स्वरूप और ब्रह्मप्रकाश रोहिल्ला को सम्मान पट पहनाकर सम्मानित किया गया और उनके दीर्घायु होने की कामना की गई।

बैठक में बताया गया कि नई बस्ती, माल टिब्बा मोहल्ला और सुभाष पार्क के पास सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं, जिससे सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है। उससे बदबू आती रहती है और गंदे पानी के कारण कोई बीमारी भी होने का अन्देशा बना हुआ। इसलिए जनस्वास्थ्य विभाग एवं नगर परिषद से मांग है कि इस समस्या का तुरंत समाधान करवाया जाए। वरिष्ठ नागरिक गणेश हरित ने बताया कि मोहल्ला चांदुवाड़ा में पानी की पर्याप्त सप्लाई नहीं हो रही है और जो सप्लाई दी भी जा रही है, उसका कोई समय निश्चित नहीं है। इसलिए वाटर सप्लायर विभाग इस मोहल्ले में पानी की सप्लाई नियमित व समयबद्ध की करवाएं। बैठक में यह भी ध्यान में लाया गया कि जिला न्यायालय परिसर में जो टाइपिस्ट बैठते हैं, वे टाइप कार्य के लिए मनमाने चार्ज लेते हैं। इसलिए जिला प्रशासन से मांग है कि इनकी टाइपिंग की हर मद की दरें निश्चित की जाएं। यदि दरें पहले से निर्धारित की हुई हैं तो वे टाइपिस्ट के नजदीक के स्थानों पर चस्पा की जाएं, ताकि आम आदमी इनके आर्थिक शोषण से बच सके। इसके साथ-साथ सभी टाइपिस्ट को भी निर्देश दिए जाएं कि वे यदि निर्धारित शुल्क से ज्यादा चार्ज करेंगे तो उनके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बैठक में यह भी ध्यान में लाया गया कि शहर में कुछ युवा मोटरसाईकिल पर 3-4 लड़के बैठाकर उसको तेज गति से दौड़ाते हैं। ऐसे मनचले युवाओं के चालान करके उन्हें दण्डित किया जाए, ताकि भविष्य में तेज गति के कारण कोई दुर्घटना न हो। यह भी ध्यान में आया है कि सर्राफा बाजार के पास 10-12 टू व्हीलर हमेशा खड़े रहते हैं, जिससे वहां हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि वर्णित इन दोनों समस्याओं का समाधान यथाशीघ्र करवाएं और इन पर उचित कार्रवाई की जाए।

बैठक में यह रहे मौजूद

बैठक का संचालन संगठन के महासचिव मुखराम सैनी ने किया। बैठक में विजय रहीश, शिवलाल वर्मा, सोहनलाल चौहान, शिवहरि अग्रवाल, सुरेश जांगिड़, रविंद्र कुमार चौधरी, भागीरथ प्रसाद, हरिराम गुप्ता, हरिसिंह यादव, गणेश हरित, जसवंत सिंह यादव, बद्रीप्रसाद गर्ग, उमादत्त शर्मा, चौ. दलीप सिंह, मास्टर जयदयाल, धर्मचन्द छाबड़ा, रामनिवास सैनी, ओपी बत्रा, श्याम सुंदर शर्मा, ब्रह्मप्रकाश रोहिल्ला, चेतन स्वरूप व नरेंद्र कुमार धौलिया आदि उपस्थित रहे।

12 की हड़ताल में भाग लेंगे ट्यूबवेल ऑपरेटर

नारनौल। ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ऑपरेटर यूनियन सम्बंधित एआईयूटीयूसी जिला प्रधान महेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा श्रमिक विरोधी 4 लेबर कोड लागू करने के विरोध में एआईयूटीयूसी सहित 10 बड़ी ट्रेड यूनियनों के सांझा आह्वान पर 12 फरवरी की राष्ट्र व्यापी हड़ताल में ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ओपरटर (जलकर्मी) बढ़–चढ़कर भाग लेंगे। जिला प्रधान महेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ओपरटर सर्दी-गर्मी में दिन-रात गांवों में घर-घर स्वच्छ पेयजल आपूर्ति का कार्य करते हैं। बरसात में तो यह कार्य और भी अधिक जोखिम भरा काम हो जाता है। पूर्व में बिना किसी सुरक्षा के उपकरण सेफ्टी किट के बिना काम करते हुए कई जल कर्मियों ने अपना अनमोल जीवन गंवाया है।

शहर में पानी की डिमांड पूरी नहीं कर पा रहे दोनों वाटर वर्क्स,बढ़ी परेशानी

नए वाटर वर्क्स को अप्रूवल का इंतजार शहरवासियों की पानी की किल्लत होगी दूर

रामगढ़-भगवानपुर में 30 करोड़ की लागत से नया जलघर बनाने का बजट किया जा चुका मंजूर, चंडीगढ़ में अटकी हुई फाइल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पिछले एक दशक से शहरवासियों के लिए पीने के पानी का संकट बना हुआ है। रामगढ़-भगवानपुर में 10 एकड़ में नया वाटर वर्क्स बनाने को लेकर मंजूरी मिल चुकी है, जिसके लिए 30 करोड़ का बजट मंजूर हो चुका है और वाटर वर्क्स निर्माण के लिए टेंडर भी किया जा चुका है, लेकिन वाटर वर्क्स निर्माण की फाईल अप्रूवल के लिए अभी चंडीगढ़ में अटकी हुई है। चंडीगढ़ से अप्रूवल मिलने के बाद ही कार्य सिरे चढ़ पाएगा। शहर में पानी की समस्या पूरे वर्ष बनी रहती है, लेकिन गर्मी के मौसम में समस्या ज्यादा विकराल हो जाती है। शहर के कालाका व लिसाना वाटर वर्क्स के टैंकों में पानी का स्तर गिरने के साथ ही जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से शहरवासियों को रोजाना पानी नहीं मिल पाता है। जेएलएन नहर के बंद होते ही शहरवासियों को राशनिंग करके पानी की सप्लाई दी जाती है।

वर्ष 2013 से ही जन स्वास्थ्य विभाग स्टोरेज की कम क्षमता कम होने के कारण गर्मी के मौसम में पानी की आपूर्ति अल्टरनेट-डे करता आ रहा है। समस्या उस समय और भी विकराल हो जाती है, जब नहरी पानी का आपूर्ति में विलंब हो जाता है। शहर के लोगों को टैंकरों से पानी खरीदना पड़ता है। विभाग के पानी स्टोर करने के लिए टैंकों की भारी कमी है। कालाका वाटर वर्क्स पर पांच और लिसाना में तीन वाटर टैंक हैं। दोनों वाटर वर्क्स शहर में पानी की डिमांड पूरी नहीं कर पा रहे है। शहर में प्रतिदिन 30 एमएलडी पानी की खपत होती है, जोकि आबादी बढ़ने के साथ बढ़ती जा रही है।

रेवाड़ी। कालाका वाटर वर्क्स में बने पानी स्टोरेज टैंक। फोटो : हरिभूमि

मौजूदा वाटर वर्क्स की पानी स्टोरेज क्षमता कम

कालाका और लिसाना दोनों वाटर वर्क्स प्लांटों की क्षमता को देखते हुए शहर में पानी की डिमांड पूरी करना आसान नहीं है। इसके लिए कम से कम चार वाटर टैंकों के साथ नए वाटर वर्क्स की आवश्यकता है। कालाका वाटर वर्क्स के पांच टैंकों की क्षमता 950 गैलन पानी स्टोरज की है, जबकि लिसाना के दो वाटर टैंकों की क्षमता 340 गैलन व एक नए वाटर टैंक की पानी स्टोरेज क्षमता 32 करोड़ 640 लाख लीटर है। नहरी पानी का शेड्यूल पहले 16-24 दिन का चल रहा है यानि 16 दिन नहर में पानी आता है और 24 दिन नहर बंद रहती है। शहर में प्रतिदिन 30 एमएलडी से ज्यादा पानी की खपत होती है। कालाका वाटर वर्क्स से प्रतिदिन 22.5 एमएलडी व लिसाना से 5.32 एमलडी पानी की आपूर्ति होती है।

30 करोड़ का बजट हो चुका है तैयार

रामगढ़-भगवानपुर में नया वाटर वर्क्स बनाने के लिए करीब 30 करोड़ का बजट तैयार हो चुका है। चंडीगढ़ से अप्रूवल मिलने के बाद वाटर वर्क्स बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। नया वाटर वर्क्स बनने से शहर को पानी की किल्लत से निजात मिलेगी।

-विनय चौहान, एक्सईएन, जनस्वास्थ्य विभाग।

रेवाड़ी। दिल्ली रोड स्थित जेएलएन नहर से वाटर टैंक में जाता पानी। फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण के साथ पीएचडी के नए सत्र की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के हिंदी विभाग में पीएचडी के नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत प्रेरणादायक तरीके से की गई। विभाग के प्राध्यापकों और छात्रों ने मिलकर विभाग परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा. मंजु पुरी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। कार्यक्रम में छात्रों ने एक छात्र, एक पौधा अभियान के अन्तर्गत पौधों को मित्र मानकर पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विभाग के सभी प्राध्यापक और छात्र उपस्थित थे।

रेवाड़ी। आईजीयू में पौधारोपण करते हुए विद्यार्थी।

केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 10 फरवरी को मंडल रोजगार मेला

- रोजगार मेले में 30 से अधिक कंपनियां ले रही भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मंडल रोजगार कार्यालय गुरुग्राम और केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की ओर से हरियाणा युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग राज्यमंत्री गौरव गौतम की अध्यक्षता में 10 फरवरी को सुबह 10 बजे मंडल स्तर के मेगा रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। महेन्द्रगढ़ में आयोजित रोजगार मेले में 30 से अधिक कंपनियां भाग ले रही है। सहायक जिला रोजगार अधिकारी दिनेश तंवर ने बताया कि मेले में 10वीं, 12वी, स्नातक, स्नातकोत्तर व डिप्लोमा पास बेरोजगार प्रार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले के जिन प्रार्थियों का पंजीकरण रोजगार कार्यालय में नहीं है वे भी रोजगार विभाग के पोर्टल एचआरईएक्स.जीओवी.इन पर पंजीकरण करने उपरांत इस रोजगार मेला में भाग ले सकते हैं।

हड़ताल की तैयारी में जुटे ट्रेड यूनियनों के सदस्य

रेवाड़ी। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, फेडरेशनों व कर्मचारी संगठनों के संयुक्त आह्वान पर 12 फरवरी की हड़ताल को सफल बनाने के लिए जनसमर्थन जुटाया जा रहा है। एआईयूटीयूसी के जिला सचिव शेर सिंह मीरपुर ने बताया कि आशा कार्यकर्ता यूनियन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका यूनियन, मिड-डेमील कार्यकर्ता यूनियन व भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन 12 फरवरी को 11 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में एकत्रित होंगी।

छात्रवृत्ति परीक्षा में 400 विद्यार्थियों ने लिया भाग

रेवाड़ी। सैनी पब्लिक स्कूल में छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय प्रशासन की ओर से शांत वातावरण और अनुशासित व्यवस्था के बीच परीक्षा संपन्न कराई गई। विद्यालय की प्राचार्या अनीता यादव ने अभिभावकों और विद्यार्थियों को स्कूल की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय में फुटबॉल नर्सरी, क्रिकेट, चेस व स्केटिंग अकेडमी, ताइक्वांडो, वालीबॉल, बॉक्सिंग, डांस, योगा और एक्टिंग जैसी गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। सैनी सभा के पदाधिकारियों सहित कार्यकारिणी व कॉलेजियम सदस्यों ने परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सरकार ने निर्माण श्रमिकों के लिए शुरू की निर्वाह भत्ता योजना

- बोर्ड की ओर से 434 रुपये प्रतिदिन की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की ओर से एनसीआर क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों के बंद होने से प्रभावित पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को कार्य बंद रहने तक हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से 434 रुपये प्रतिदिन की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि सरकार सभी श्रमिकों के लिए एक उदार और व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रभावित पंजीकृत निर्माण श्रमिक योजना का लाभ लेने के लिए बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट एचआरवाईलेबर.जीओवी.इन पर या नजदीकी हेल्पडैस्क पर आवेदन करा सकते हैं। डीसी ने बताया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, हरियाणा की ओर से निर्वाह भत्ता प्रभावित श्रमिकों के आधार से जुड़े बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से वितरित किया जाएगा।

आरपीएस स्कूल कोसली में स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन

कोसली। आरपीएस स्कूल कोसली में रविवार को विद्यार्थियों की प्रतिभा पहचानने के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। परीक्षा में 1308 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के अध्यक्ष श्रीभगवान यादव, निदेशक हंसराज यादव व प्राचार्या अंजू यादव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास और अनुशासन ही सफलता की सच्ची पहचान है। उन्होंने बच्चों के साथ आए अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। श्रीभगवान यादव ने विद्यालय में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्कूल का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, एकाग्रता के साथ-साथ वैज्ञानिक सोच, तकनीकी दक्षता और नवाचार की भावना को विकसित करना है। स्कॉलरशिप टेस्ट शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ।

खबर संक्षेप

सैनिक स्कूल के 52 कैडेट्स ने दी एनसीसी 'बी' सर्टिफिकेट की परीक्षा

कुंड। गोठड़ा स्थित सैनिक स्कूल की एनसीसी विंग के सीनियर डिवीजन के 52 कैडट्स ने केएलपी कॉलेज में आयोजित एनसीसी 'बी' सर्टिफिकेट की परीक्षा दी। प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन 7 फरवरी को किया गया, जबकि लिखित परीक्षा रविवार को संपन्न कराई गई। विद्यालय एनसीसी कमान अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर वंदना चौधरी ने बताया कि दो वर्ष के जूनियर डिवीजन के प्रशिक्षण के पश्चात कैडेट 'ए' सर्टिफिकेट प्राप्त करते हैं। इसके पश्चात दो वर्ष सीनियर डिवीजन में प्रशिक्षण दिया जाता है तथा लिखित परीक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर कैडेट्स को एनसीसी का 'बी' प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। परीक्षा में बैठने के लिए प्रशिक्षण के दौरान दोनों वर्षों में अलग-अलग 75 प्रतिशत उपस्थिति एवं एक कैंप अनिवार्य होता है।

1162 छात्रों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

रेवाड़ी। रविवार को महेन्द्रगढ़ रोड स्थित वीआईपी स्कूल में आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा में क्षेत्र के 1162 विद्यार्थियों ने उत्साह, आत्मविश्वास और प्रतिभा के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई। कार्यक्रम की एंकरिंग उषा यादव के साथ छात्रा परी एवं वंशिका ने की। स्कूल के विद्यार्थियों ने ताइक्वांडो, योगा एवं स्केटिंग की शानदार प्रस्तुतियां दी।

सरवन स्कूल में ओपन खेल प्रतियोगिता हुई

बावल। सरवन इंटरनेशनल स्कूल बावल में रविवार को ओपन स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बॉक्सिंग, कुश्ती एवं कबड्डी सहित अनेक खेलों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में करीब 125 बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन जितेंद्र कुमार तथा निदेशिका आशा यादव मौजूद रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीपाल सिंह सेवानिवृत्त सूबेदार व अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग कोच थे। प्रत्येक खेल के विजेता दल को 2100 नकद पुरस्कार एवं उपविजेता दल को 1100 का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। खेलों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सभी कोच व विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

मंडल स्तरीय लीगल लिटरेसी प्रतियोगिता में कंवाली स्कूल का शानदार प्रदर्शन

रेवाड़ी। हरियाणा लीगल सर्विस अथॉरिटी के तत्वावधान में मंडल स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन जीएवी इंटरनेशनल स्कूल गुरुग्राम में किया गया, जिसमें राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विलय कंवाली की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल के प्राचार्य अनिल कुमार ने बताया कि मंडल के तीन जिले रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ और गुरुग्रमा के विद्यार्थियों की 18 विभिन्न विषयों पर आधारित 10 विधाओं के कंपटीशन का आयोजन किया गया, जिसमें कंवाली स्कूल की छात्रा किंजल ने डॉक्यूमेंट्री फिल्म इवेंट में प्रथम तथा छात्रा मनप्रीत व मुस्कान ने डिबेट में मंडल स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के लीगल लिटरेसी इंचार्ज प्रदीप कुमार ने दोनों इवेंट स्थान पाने वाले विद्यार्थी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि गत वर्ष भी कंवाली स्कूल ने लीगल लिटरेसी में मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में तीन विधाओं में स्थान प्राप्त किया था।

आईजीयू में दो दिवसीय वर्कशॉप आज से

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में गणित विभाग की ओर से 9 एवं 10 फरवरी को कंप्यूटेशनल मैथमेटिकल सॉफ्टवेयर आर विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। वर्कशॉप के मुख्य वक्ता प्रोफेसर अतहर अली खान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। वर्कशॉप में एमएससी गणित विषय वाले इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय से संबंधित सभी महाविद्यालयों को आमंत्रित किया गया है। गणित विभाग से डा. महावीर बड़क ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों को नए सॉफ्टवेयर आर के बारे में जानकारी मिलेगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

कार्यक्रम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी केंद्र पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व

मनुष्य सुखों की दौड़ में प्रकृति का कर रहा विनाश: बीके

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि, बच्चे व संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

- सकारात्मक सोच अपनाने और समाज में प्रेम व सद्भाव फैलाने का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

शिव कॉलोनी स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सुख-शांति भवन में महाशिवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सेंटर संचालिका बीके चेतन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। वहीं एक्सईएन जल विभाग गजराज सिंह, जिला पार्षद जीवन हितैषी, पूर्व जिला पार्षद अमित यादव, डा. मनोज यादव तथा दिव्य दर्शन भवन की सेंटर संचालिका बीके कमलेश विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थी। कार्यक्रम की शुरूआत में महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। ओम शांति ध्वज के साथ निकली यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन एवं ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। मुख्य वक्ता बीके चेतन ने कहा कि परमात्मा शिव ही मानव आत्माओं को अज्ञान के अंधकार से निकालकर सत्य, शांति और पवित्रता की ओर ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य भौतिक सुखों की दौड़ में प्रकृति का विनाश कर रहा है और पर्यावरण को दूषित कर रहा है, जिससे वह स्वयं अपने लिए गहरा संकट पैदा कर रहा है। शिव बाबा का ज्ञान ही हमें संतुलित, संयमित और सुखमय जीवन जीने की सच्ची राह दिखाता है। उन्होंने सभी को शिव बाबा की याद में रहकर आत्मिक शक्ति बढ़ाने, सकारात्मक सोच अपनाने और समाज में प्रेम व सद्भाव फैलाने का संदेश दिया। बीके कमलेश ने भी शिव बाबा के दिव्य जीवन और उनके अवतरण के रहस्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चे दिव्या, हर्षी, काव्या व नायरा ने हरियाणवी नृत्य पेश किया। अतिथियों ने बच्चों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर बीके सुमन, बीके रेनू व बीके सुमित्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व श्रद्धालु उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में हुआ भगवान शिव की वंदना का कार्यक्रम

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में भगवान शिव की वंदना का कार्यक्रम सत्य ही शिव है-शिव ही सुंदर है का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि भाजपा अनुसुचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रोहताश वाल्मीकी, ज्योतिसिंह, शिक्षाविद् राजेन्द्रसिंह यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि भगवान शिव सहज भक्ति से प्रसन्न हो जाते हैं। शिक्षाविद् प्रो सी एल सोनी, डा. बलबीर अग्रवाल व समाजसेवी चन्द्रप्रकाश ने कहा कि भगवान शिव ने सागर मंथन के समय जब हलाहल विष निकला तो सृष्टि के कल्याण के लिए उन्होंने अपने कंठ में विष धारण कर लिया। महिला प्रधान निशा सीकरी, पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज, शिक्षाविद प्रीती कपूर, मीनू ग्रोवर व पार्षद सुचित्रा चांदना ने कहा कि महाशिवरात्रि के दिन व्रत उपवास रखने से भक्तजनों की मनोकामनाएं भगवान शिव सहज ही पूरा करते हैं। कार्यक्रम में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए समाजसेवी अखिल गोयल, काकू भाई मलिक, समाजसेवी राजेन्द्र गेरा, कैप्टन रूपचन्द यादव व उपप्रधान हेमंत ग्रोवर को सम्मानित किया। इस मौके पर सुदर्शन मेहंदीरत्ता, समाजसेवी प्रमोद सैनी, मन्नी ग्रोवर, कपिल कपूर, सतीश भारद्वाज, बिल्लूलाल व कैलाश सोनी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते संस्था सदस्य। फोटो : हरिभूमि